जल संसाधन उपयोग एवं संरक्षण जिला वैशाली (बिहार) का एक प्रतीक अध्ययन

डॉ. अजीत कुमार

जल ही जीवन है, जल जीवन, जीवतंता एवं जीव दर्शन का मूल आधार है। मानव शरीर का 65 प्रतिशत भाग जल होता है। मानव की दैनिक आवश्यकताओं अर्थात् भोजन, पेय, स्नान, सफाई आदि के अतिरिक्त परिवहन, कृषि औद्योगिक उत्पादन, विद्युत उत्पादन, मनोरंजन आदि के लिए जल एक आवश्यक तत्व हैं। इसी प्रकार औद्योगिक उत्पादन में जल की भूमिका का अनुमान लगाने पर यह पाया गया है कि एक ग्राम किलोग्राम इस्पात या कृत्रिम रेशा उत्पादन हेतु क्रमशः 200 और 2000 किलोग्राम की आवश्यकता होती है, परन्तु इन्टरनेशनल वाटर मैनेजमेन्ट इंस्टीट्यूट के अध्यक्ष डैविड सेक्लर के अनुसार ''भारत में प्रतिवर्ष वर्षा से जितना पानी जमीन के नीचे इकट्ठा होता है उसके दुगुने से भी ज्यादा जमीन के नीचे से निकल जाता है।